सुपरवाईजर कक्ष, सवाई मानसिंह चिकित्सालय, जयपुर

क्रमांक 13[illegible] / सुपर कक्ष / 2018 दिनांक 15-02-18

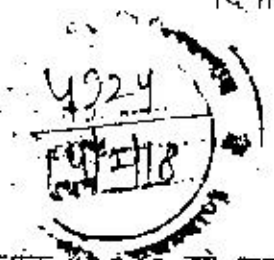

श्रीमान चिकित्सा अधीक्षक,
सवाई मानसिंह चिकित्सालय,
जयपुर।

4924
15/2/18

विषय :- राजस्थान पत्रिका में दिनांक 10.2.18 को प्रकाशित खबर बाबत्।
संदर्भ :– आपके पत्रांक 1431 दिनांक 12.2.18 के कम में।

महोदय,

उपरोक्त विषयान्तर्गत दैनिक समाचार पत्र राजस्थान पत्रिका में दिनांक 10.2.18 को प्रकाशित खबर "न जाने कौन था, बेरहमी के आगे बेइलाज मर गया" के संबंध में निवेदन है कि दिनांक 9.2.18 से प्रातःकाल करीबन 11.30 बजे सुपरवाईजर कक्ष में ड्यूटी पर मौजूद श्री भरत लाल शर्मा, नर्स श्रेणी द्वितीय को दूरभाष पर, श्री भंवर सिंह, सुरक्षा सुपरवाईजर (मै0 विजय एक्स सर्विसमेन सोसायटी) से सूचना प्राप्त हुई कि अस्पताल के प्रवेश द्वार संख्या 2 पर एक व्यक्ति अचेत अवस्था में पड़ा हुआ है।

सूचना प्राप्त होते ही श्री भरत शर्मा ने श्री गिरांज, वार्ड बॉय के साथ श्री विनोद पुत्र रमेश व श्री मोन्टू पुत्र छोटू, सफाईकर्मी को उसे (अज्ञात व्यक्ति को) इमरजन्सी में पहुँचाने हेतु मौके पर भेजते हुए अस्पताल स्थित पुलिस चौकी में सिपाही भेजने हेतु फोन पर सूचित कर दिया।

उक्त दोनों सफाईकर्मियों ने मौके पर लगभग 15–20 मिनट तक पुलिस चौकी से पुलिसकर्मी के आने का इन्तजार किया तथा सिपाही के आते ही उसे इमरजन्सी में ले गये।

इस प्रकार सुपरवाईजर कक्ष में सूचना प्राप्त होते ही तत्काल कार्यवाही प्रारम्भ कर दी गई थी तथा इस प्रकरण में किसी भी प्रकार की कोई लापरवाही नहीं बरती गई।

प्रभारी, सुपरवाईजर कक्ष
सवाई मानसिंह चिकित्सालय,
जयपुर।

सेवामें

श्रीमान अधीक्षक महोदय,
सवाई मानसिंह चिकित्सालय,
जयपुर ।

5634
14/2/18

विषय :- News Item Published in Raj. Patrika date 10/2/18
के स्पष्टीकरण बाबत ।

द्वारा :- नर्सिंग अधीक्षक सवाई मानसिंह चिकित्सालय जयपुर ।

महोदय,

उपरोक्त विषयान्तर्गत लेख है कि पत्र क्रमांक N.1432/45/P. News Item Published in Raj. Patrika date 10/2/18 के सम्बन्ध मे स्पष्टीकरण निम्न प्रकार है।

दिनांक 9/2/18 को मेडीकल यूनिट VIII व Ist का भर्ती दिन सुबह 9 बजे से लगातार सुबह, शाम व रात्रि व दूसरे दिन 10/2/18 को सुबह 9 बजे तक चला था, इस दरमियान कुल 38 नये मरीज भर्ती हुये थे, इन मरीजो में से 10-15 गम्भीर थे, इनमे से 4 मरीज अति गम्भीर थे जो चारो एम्बुबेग व ऑक्सीजन पर चल रहे थे। चार में से दो मरीजो क्रमशः देवी पत्नि देवीसिंह की ICU की आवश्यकता हो गई जिनको दौड़ते 3F वार्ड में ICU ले जाया गया थी, एक मरीज मीरा w/o कंचनलाल की मृत्यु हो गई, तथा एक मरीज कमला w/o देवीसिंह जिनको ICU की आवश्यकता नहीं हो पाई इस कारण उनके परिजन वार्ड मे काफी हंगामा कर रहे थे कि यह कैसा हॉस्पिटल है जहां ICU नहीं मिलता यही वजह से रेजीडेंट डॉक्टर्स व नर्सिंग स्टाफ से लड़ने को उतारू थे, लेकिन रेजीडेंट डॉक्टर व स्टाफ ने लगातार संयम बरतते हुए मरीज को लाया। परिजन मरीज को अन्य अस्पताल में लाना चाहते थे जिसके लिए स्टाफ मरीज के परिजन को समझा रहे थे कि 3F वार्ड की वार्ड सिस्टर के अन्य मरीजों को ICU मे दौड़कर आते ही उपरोक्त मरीज को वार्ड सिस्टर को भेजकर बाहर तक दौड़ दिया।

P.T.O

मरीज के परिजन जल्दी मे वे स्वयं ही ले जाना चाहते थे 3F वार्ड की तीसरी वार्ड लेडीज (प्रेम देवी) उस मरीज के साथ जाने मे असमर्थ थी, क्योंकि उसके पैर मे फ्रैक्चर होने की वजह से रोड डली हुई थी, वार्ड लेडीज ने मरीज के परिजनो से I.D. मांगा कि वापसी मे जब O_2 सिलेण्डर व ट्रॉली 3F वार्ड मे देकर जाने पर दे दिया जायेगा। मरीज के परिजनो ने अपने पास I.D न होने पर अपना मोबाइल रख [जाने की] (जाकर ले गये) दिया व कहा कि हम अपने मरीज को बाहर एम्बुलेंस मे लिटाकर वापिस ऑक्सीजन सिलेण्डर व ट्रॉली आपको दे देंगे। तब तक आप हमारा मोबाइल रख लो व मरीज को ट्रॉली पर लिटाकर सिलेण्डर सहित वार्ड से चले गये। बाहर उनकी एम्बुलेंस के आने मे देरी हो गई कमलादेवी के परिजन I.C.U नहीं मिलने के कारण पहले से ही उग्र थे एम्बुलेंस आने मे देरी होने पर परिजन ज्यादा उग्र हो गये इसका दोष उन्होने मोबाइल रखने पर लगा दिया, जबकि उनके सभी परिजनो के पास मोबाइल थे।

अतः मरीज को ICU मे छोड़कर आने के तुरंत बाद वार्ड लेडीज (सुनीता) को मोबाइल पहुंचाने के लिए व 3F की ट्रॉली व सिलेण्डर लाने भेज दिया। वार्ड लेडीज उनके स्वजनो को उनका मोबाइल संभलाकर अपनी वार्ड की ट्रॉली व सिलेण्डर लेकर वार्ड मे वापिस आ गई।

इस संदर्भ मे वार्ड के स्टाफ एवं वार्ड लेडीज की मरीज के प्रति कोई गलत भावना नहीं थी।

भवदीय

वार्ड प्रभारी

आर.एच.ओ.

Dr. Siddharth